ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-अष्टम विषय-हिन्दी

दिनांक—10/04/2021 प्राणी वही प्राणी है।

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

<u>प्राणी वही प्राणी है।</u>

दूसरी पद में कवि भवानी प्रसाद मिश्र ने सच्चे प्राणी के बारे में बताते हुए कहा है कि जो लंगड़े को पांव और लूले को हाथ दे तथा सत्य के लिए मरने तक जो साथ दे ,बोले तो हमेशा सच ही बोले, जो सच से कभी हटता नहीं हो ,हमेशा सच पर कायम रहता हो, अडिग रहता हो और झूठ से कभी डरता नहीं है लाख डराया जाए फिर भी डरता नहीं है और सच के सामने ही खड़ा रहता है। वास्तव में, वही व्यक्ति सच्चा प्राणी कहलाता है।

तीसरे पद में भवानी प्रसाद मिश्र ने कहा है दुनिया मैं सच्चा प्राणी वही है, जो अपने सर को सच के लिए फूल के समान ,जिस प्रकार फूल को देवता पर हम अर्पित करते हैं, उसी तरह अपने सर को सच्चा प्राणी चढ़ा देता है। रुकती दुनिया को जो आगे बढ़ा देता है, जिस दुनिया में जान नहीं है- प्राण नहीं है उस दुनिया को जो आगे बढ़ा देता है,दुनिया को आगे बढ़ाने के क्रम में यदि वह मर भी जाता है तो उसका मरना अच्छा ही कहा जाता है।

कवि ने कहा है कि यदि ऐसा व्यक्ति मर भी जाता है; सच्चाई के मार्ग पर चलते हुए ,दुनिया को आगे बढ़ाते हुए उसकी मौत भी आ जाती है, तो उसकी मौत बेकार नहीं कहलाती उसकी मौत भी सफल है ।वास्तव में,सच्चा प्राणी वही है, जो सत्य के लिए झूठ से डरे नहीं,जो दूसरे के हमेशा काम आए।
~~~~~~~~~~

शब्दार्थ-

सत्-सत्य,सच्चाई

सँभार-देखभाल व एकत्र करना

टोटा -कमी

धन्यवाद!